ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन में जुटे 122 देशों के हज़ारों प्रतिनिधि

आध्यात्मिकता में विश्व की सर्व समस्याओं का समाधान - प्रणव मुखर्जी

इंदिरा गांधी स्टेडियम में 122 देशों के गणमान्य प्रतिनिधि 'नाजुक समय के लिए आध्यात्मिक समाधान' विषय पर एकजुट हुए एक मंच पर, एक राय के साथ। मुख्य अतिथि के रूप में अर्जेंटिना की महिला उपराष्ट्रपति मिशेटी तथा भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी।

नई दिल्ली। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'नाजुक समय के लिए आध्यात्मिक समाधान' विषय पर स्थानीय इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन में 122 देशों के गणमान्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने कहा कि आज मानव समाज काम, क्रोध, लोभ और हिंसा रूपी भयावय समस्याओं से जूझ रहा है। चारो ओर लोग निराशा, भय, अशान्ति, असंतुष्टता व अवसाद से घिरे हुए हैं। इसका मूल कारण मानव के सामाजिक, नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों में गिरावट ही है। उन्होंने कहा कि ऐसे नाजुक समय में आध्यात्मिकता ही एक मात्र सहारा है जो मनुष्य की चेतना को जागृत कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि आध्यात्मिकता कोई धार्मिक कर्मकाण्ड नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं को व्यवहारिक जीवन में उतारने की शिक्षा है। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने इस सम्मेलन का उद्देश्य सभी को विश्व परिवर्तन के लिए जागृत करने और जिस प्रकार रात के बाद दिन होता है उसी प्रकार वर्तमान कठिन परिस्थितियों के बाद शान्ति का सवेरा लाना बताया। यूरोपीय देशों में ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. जयन्ति ने कहा कि यदि हम समय को एक सीधी रेखा के रूप में देखते हैं तो हमारा भविष्य, नैतिकता, चरित्र कहाँ तक गिरता जायेगा ये कह नहीं सकते। यदि हम समय को एक चक्र के रूप में देखते हैं तो हमें आशा नज़र आती है वर्तमान असत्य, भ्रष्टाचारी दुनिया के सत्य श्रेष्ठाचारी दुनिया में परिवर्तन होने की। जिसके लिए हमें प्रयास और भगवान का साथ बहुत ज़रूरी है। इसके अलावा प्रमुख रूप से यू.के. के वरिष्ठ पत्रकार नेविल हॉडकिन्सन, ऑस्ट्रेलिया के लीडरशीप प्राजेक्ट के प्रेरता विक्टर परटन, सैशेल्स से वैलेन्टिना सैट, ब्राज़ील के प्रबन्धक विशेषज्ञ केन ऑडोनल एवं ऑस्ट्रेलिया में ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र संचालक चार्ली हॉग आदि ने विषय पर अपने वक्तव्य रखे तथा हॉन्गकॉन्ग से हैरी वॉग ने मैजिक शो द्वारा दर्शकों को आश्चर्यचकित किया तथा चीन की सुश्री वॉग स्कूयिंग चाईनिज़ डान्स व अफ्रीका डेज़र्ट रोज़ ग्रुप ने लाईव कन्सर्ट प्रस्तुत किया। साथ ही भारत व विदेश के विभिन्न धर्मों के गुरूओं ने इस अवसर पर अपनी शुभकामनायें दी।

''मानवता से प्रेम ही राजनीति का आधार बने'' - अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति

अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति श्रीमति गेब्रियाला मिशेटी ने कहा कि राजनीति का मतलब मानवता से प्रेम और उनकी परिवार के सदस्यों की तरह सेवा करना है। अगर मैं राजनीति को मानव सेवा से नहीं जोड़ती तो राजनीति मात्र शक्तियों का दुरूपयोग बन कर रह जायेगी। मेरा भगवान के साथ सम्बन्ध जुड़ने से ही राजनीति को सही दिशा मिली है और यह एक मानवता की सेवा बन गयी है। अपने प्रेम को मानवता के उत्थान के लिए लगाना ही विश्व को हमारी देन है।

आध्यात्मिक सम्बन्ध विश्व में परिवर्तन लायेगा : ब्र.कु. शिवानी

'नारी शक्ति अवॉर्ड' से सम्मानित ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि विश्व में सभी देश अलग हैं, संस्कृति अलग है, संस्कार अलग है, परन्तु परमात्मा के साथ सम्बन्ध कॉमन है और ईश्वर के साथ यही आध्यात्मिक सम्बन्ध विश्व में परिवर्तन लाएगा। विज्ञान और अनुभव कहता है कि हम जिसे याद करते हैं उसके मन के भाव हमारे में आ जाते हैं। इसलिए हम परमात्मा को याद करेंगे तो उसके वायब्रेशन्स, शक्ति, गुण व दिव्यता हमारे में आ जायेंगे और जब प्रत्येक में यह दिव्यता आयेगी तो समूचा विश्व दिव्य बन जायेगा।

सर्वांगीण विकास आध्यात्मिकता से सम्भव

ब्र.कु. सुमन, महापौर संयुक्ता भाटिया, ब्र.कु. डेनिस,लंडन, मधुलिका यादव तथा अन्य।

लखनऊ-जानकीपुरम। सेवाकेन्द्र पर विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ की महापौर संयुक्ता भटिया के साथ समाजवादी पार्टी की नेता अर्पणा यादव, बार कांउसिल की प्रथम महिला अध्यक्ष मधुलिका यादव और लण्डन से सिस्टर डेनिस सम्मिलित हुए। महापौर ने कहा कि देश में महिलाओं की आबादी लगभग 60 फीसदी तक पहुँच गई है, परन्तु जहां पर निर्णय लेने की बात आती है, वहां महिलाओं की उपेक्षा होती है। फिर भी महिलाओं ने हर क्षेत्र में खुद को साबित करके दिखाया है। बार काउंसिल की अध्यक्षा मधुलिका यादव ने बताया कि नारी और पुरुष एक रथ के दो पहिये हैं, आपस में दोनों की कोई प्रतियोगिता नहीं है। नारी का सर्वांगीण विकास आध्यात्मिक विकास के द्वारा ही हो सकता है। ब्र.कु. सुमन ने बताया कि ज्ञान और शिक्षा में अन्तर है। एक व्यक्ति डॉक्टर बन सकता है लेकिन वो अच्छा डॉक्टर तभी बन सकता है जब उसके जीवन में दिव्य गुण होंगे। और समाज में गुणों की मार्केटिंग महिला ही अच्छी तरह से कर सकती है क्योंकि महिलाओं की समाज को बनाने में अहम् भूमिका रही है। कार्यक्रम के दौरान सभी को राजयोग की गहन अनुभूति कराई गई।

आधुनिकता के साथ अध्यात्म से जुड़े महिला

रायपुर-छ.ग.। राज्यसभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण आधुनिकता से नहीं अपितु अध्यात्म से होगा। हम आधुनिकता में इतना न रम जाएं कि अपनी संस्कृति को ही भूल जायें। उपरोक्त वक्तव्य छाया वर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शान्ति सरोवर में आयोजित 'महिला जागृति सम्मेलन' में व्यक्त किये। ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. कमला दीदी ने कहा कि वर्तमान समय संसार में समस्याओं की भरमार है, इसीलिए ऐसे समाज में रहने के लिए जीवन में आध्यात्मिकता का होना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि आदि काल में जब महिला आध्यात्मिक शक्ति से सम्पन्न थी तब उसकी पूजा होती थी। किन्तु आज की नारी अध्यात्म से दूर होने के फलस्वरूप पूजनीय नहीं रही। भौतिक दृष्टि से नारी ने बहुत तरक्की की है किन्तु आध्यात्मिकता से वह दूर हो गई है। जिला पंचायत अध्यक्ष शारदा देवी वर्मा ने कहा कि परमात्मा ने पुरुष और स्त्री दोनों को समान रूप से शरीर दिया है, फिर हम दोनों में भेदभाव क्यों करते हैं! दोनों के साथ समानता का व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने समारोह में उपस्थित महिलाओं को देवत्व की शुरुआत अपने घर से करने की प्रेरणा दी। पूर्व महापौर किरणमयी नायक ने कहा कि वह अपने दिन की शुरुआत मेडिटेशन से करती हैं जिससे उन्हें सारा दिन आत्मविश्वास के साथ तनावमुक्त हकर कार्य करने में मदद मिलती है। राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. दीक्षा ने कहा कि महिलाओं को पाश्चात्य संस्कृति का अन्धानुकरण नहीं करना चाहिए बल्कि अपने जीवन में भौतिकता और आध्यात्मिकता का सन्तुलन बनाकर चलना चाहिए। स्वतंत्रता का मतलब स्वच्छंदता नहीं है।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए सांसद छाया वर्मा, राजयोगिनी ब्र.कु. कमला दीदी, जिला पंचायत अध्यक्ष शारदा देवी वर्मा, पूर्व महापौर किरणमयी नायक, ब्र.कु. दीक्षा तथा अन्य।

नारी के विकास में सबका विकास समाहित

ग्वालियर-म.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'महिलाओं का सर्वांगीण विकास' विषय पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती अनिता जैन,अध्यक्ष, प्रेरणा लायंस क्लब, श्रीमती ज्योति छाबडिया,रेंजर वन विभाग, डॉ. कीर्ति धोंडे, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श, ब्र.कु.ज्योति, आशा सिंह,समाज सेविका, ब्र.कु. प्रह्लाद आदि उपस्थित थे। ब्र.कु. ज्योति ने संस्थान द्वारा पिछले 8 दशक से की जा रही सेवाओं के बारे में बताते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान एक ऐसा संस्थान है जो पूरे विश्व में महिलाओं द्वारा संचालित होता है। यह नारी सशक्तिकरण का एक अनूठा उदाहरण है। इसके बाद सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श बहन ने महिलाओं के सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नारी बहुमुखी प्रतिभा की धनी है। नारी के विकास में सबका विकास है। इसलिए कहा जाता है कि अगर एक नारी को शिक्षित किया, तो सारे परिवार को शिक्षित किया, क्योंकि नारी परिवार की भी धुरी है तो समाज की भी धुरी है तो विश्व की भी धुरी है। इस अवसर पर श्रीमती अनिता जैन ने अपनी शुभ कामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि हर परिवार में संतुलन बनाकर हमें आगे बढ़ना है। श्रीमती ज्योति छाबडिया ने भी इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। मंच संचालन ब्र.कु. आशा ने किया एवं कार्यक्रम के अंत में ब्र.कु. प्रहलाद ने आभार व्यक्त किया।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 12th Apr 2019
संपादक : ब्र.कु. गंगाधर, प्रकाशकः ब्र.कु. करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी. प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।